अरुण श्रीवास्तव

नौकरी चाहिए तो ब्रांड बनिए

बाजार में आ रही रोजगार की बहार

नई दिल्ली। दीपों के पर्व दिवाली के बाद बाजार में नौकरियों की बहार आने जा रही है। सरकार ने तो नौकरियों का पिटारा पहले ही खोल रखा है। अब निजी कंपनियों ने भी इसकी तैयारी कर ली है। इस हाट में अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी पाने के लिए आपको

- सोशल नेटवर्किंग साइटें उपलब्ध करा रही हैं प्लेटफार्म
- प्रोफेशनलों को आपस में जोड़ने का साधन बने पोर्टल
- दिवाली बाद बाजार में आएगी रोजगार की बहार
- निजी क्षेत्र की कंपनियां करेंगी बंपर नियुक्तियां

अपना खुद का ब्रांड बनाना होगा। पहले आपका बायोडाटा नियोक्ता के सामने आपका ब्रांड बनाता था परन्तु 'ब्राडबैंड' के इस युग में सोशल नेटवर्किंग की साइटें आपका ब्रांड प्रोफेशनल नियोक्ता के सामने खड़ा करती हैं।

बाजार के सारे संकेत इसके गवाह हैं। आईआईपी के हाल में घोषित आंकड़े हों या फिर दिवाली के मौके पर बाजार में की जा रही खरीदारी का हाल, सभी बता रहे हैं कि बाजार में बूम आ गया है। बूम के इस दौर में आने वाले समय में निजी कंपनियों ने जितनी छंटनी मंदी के दौर में की थी उससे अधिक वे नियुक्तियां करने जा

रही है। प्लेसमेंट सेल चलाने वाले अनिरुद्ध बताते हैं कि नौकरी पाने का सबसे बढ़िया जरिया आजकल सोशल नेटवर्किंग की साइटें बन रही हैं। लिंकेडइन, फेसबुक, आरकुट या फिर अपनासर्किल जैसी साइटें आजकल व्यावसाइयों की मनपसंद बनती जा रही हैं। इन साइटो पर लॉग इन करने वाले लोगों को अपने व्यवसाय के मुताबिक वर्गीकृत किया जाता है। हर प्रोफेशनल इसमें अपनी प्रोफाइल में अपने गुणों और रुचियों को दर्ज करता है। प्रोफाइल को देखकर समान रुचि वाले लोग एक-दूसरे के साथ जुड़ते हैं। बहुत सारी प्रोफाइलों को एक जगह पर निशुल्क देखने की सुविधा के कारण सोशल नेटवर्किंग साइटें जॉब सर्च और मुहैया कराने का माध्यम बन गई हैं।

इन साइटों पर प्रोफेशनल आपस में नई नौकरियों की सूचनाओं को समान रुचि के सदस्यों में बांटते हैं। अपनासर्किल साइट को बनाने वाले योगेश बंसल ने बताया कि आज गूगल सर्च इंजन के जमाने में कोई भी नियोक्ता आपके काम को जानने के लिए केवल आपका नाम गूगल के सर्च पर डालता है और आपसे संबंधित सभी तरह की जानकारियां उसके डेस्कटॉप पर उपलब्ध हो जाती हैं। इन परिस्थितियों में नेट के वर्चुअल वर्ड में मौजूद आपकी प्रोफाइल के अच्छे गुण भी नियोक्ता के पास मौजूद रहेंगे। श्री बंसल बताते हैं कि अपना ब्रांड बनाने के चार स्टेज हैं। अपने अंदर के गुणों को जानिए, उसे शब्दों में पिरो कर साइट पर डालिए, एक दूसरे से संचार द्वारा उसका विस्तार तथा इस प्रक्रिया से बने ब्रांड को बनाए रखिए। एक बार ब्रांड बन जाने के बाद प्रगति के रास्ते खुद बन जाएंगे।